बाबा जी की सिखावनियाँ

उनकी पुस्तक *From the Finite to the Infinite* से

मन को अपने सच्चे स्वरूप यानी अन्तर-आत्मा में लीन हो जाना चाहिए। जो भी अनुशासन मन को आत्मा के साथ एक होने में समर्थ बनाता है, वह सराहनीय है। सभी अध्यात्मिक अभ्यासों का उद्देश्य है, मन को शान्तिमय व सबल बनाना।

स्वामी मुक्तानन्द, *From the Finite to the Infinite* द्वितीय संस्करण।

[साउथ फ़ॉल्सबर्ग, न्यूयॉर्क : एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®, १९९४], पृ. ३८२।

©एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।